Sir
नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने का अधिकार सुरक्षित रखते हुए प्रार्थना पत्र विड्रो करता हूँ
मो० युसुफ

कार्य में व्यस्त है। [redacted] आइन्दा।
दिनांक 9/3/2024 को पेश हो।
Sd/-

9/3/2024
पत्रावली राष्ट्रीय लोक अदालत शिविर में बैंच सदस्यों के समक्ष पेश हुई। लोक अदालत की भावना से प्रेरित होकर वकील प्रार्थी द्वारा नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने का अधिकार सुरक्षित रखते हुये, प्रार्थना पत्र विड्रो करने की टिप्पणी पत्रावली आदेशिका पर अंकित की। बैंच सदस्यो द्वारा वकील प्रार्थी को सुना गया। वकील प्रार्थी द्वारा निवेदन किया गया, कि वे इस प्रार्थना पत्र पर अग्रिम कोई कार्यवाही नहीं चाहते है। अतः नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने की
लगातार

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हु
	9 9/2022 स्वतंत्रता सुरक्षित रखते हुये प्रार्थना पत्र विड्रो किया है। ऐसी स्थिति मे पत्रावली पर कोई कार्यवाही अपेक्षित नही रह जाती है। अतः प्रार्थी का नवीन प्रार्थना पत्र पेश करने का अधिकार सुरक्षित रखते हुये। प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार हो। नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो। उपखण्ड अधिकारी भिनाय (केकड़ी)	

Scanned with CamScanner